No. of Printed Pages : 4

MSK–002

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-002 : व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में कुल दस प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।*

---

1. 'रामः' पद की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'प्रथमयोः पूर्वसवर्णः' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए और 'हरये' पद की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'पितृ' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए। 10

अथवा

'रमा' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए।

3. 'यस्मात्प्रत्ययविधिस्तदादि प्रत्ययेऽङ्गम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

अथवा

'रमायाम्' शब्द की सिद्धि-प्रक्रिया सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

4. 'गोपालः गां पयः दोग्धि' यहाँ गां पद में विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'विप्राय गां प्रतिशृणोति' यहाँ 'विप्राय' पद में चतुर्थी विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए वाक्यार्थ को स्पष्ट कीजिए।

5. (क) 'भवति' **अथवा** 'भविष्यति' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'पठ्' धातु के लट्, लिट् और लुट् लकारों के सभी रूप लिखिए। 5

6. (क) 'सन्यङोः' **अथवा** 'गुणो यङ्लुकोः' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'येनाङ्गविकारः' **अथवा** 'सप्तम्यधिकरणे च' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

7. (क) 'लुटः प्रथमस्य डारौरसः' **अथवा** 'कर्मण्यण्' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'ण्वुल्तृचौ' **अथवा** 'गर्गादिभ्यो यञ्' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

8. (क) 'षष्ठी शेषे' **अथवा** 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'एधताम्' **अथवा** 'एधेरन्' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

9. 'शतृ', 'शानच्' **अथवा** 'क्तवतू' प्रत्यय को वाक्य में प्रयोग के द्वारा स्पष्ट कीजिए। 10

10. 'धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यङ्' **अथवा** 'अज्झनगमां सनि' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

× × × × ×